चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	10-11-25	3	4-6

कृषि क्षेत्र में नवाचार व उद्यमिता का नया युग

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज की अध्यक्षता में कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है। यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। प्रो. काम्बोज ने उपस्थित युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने विचारों को समाज और किसानों की भलाई के लिए उपयोगी बनाएं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं में रोजगार सृजन, नवाचार और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिससे स्वदेशी बाजार को बढ़ावा मिल रहा है। एबिक के निदेशक डा. राजेश गेरा ने बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना के अंतर्गत कार्य कर रहा है। इसका उद्देश्य कृषि क्षेत्र में नवाचार का बाजारीकरण, वैज्ञानिकों को तकनीकी सहायता प्रदान करवाना है।

कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज व अन्य। • विज्ञप्ति

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भूमि	10-11-25	9	3-8

एबिक के अंतर्गत कोहर्ट-7 में चयनित 66 स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम

खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि नवाचार और उद्यमिता का नया युग

केंद्र ने 66 युवा एग्रीप्रेन्योर्स का चयन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज की अध्यक्षता में कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है।

यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। प्रो. कम्बोज ने उपस्थित युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने विचारों को समाज और किसानों की भलाई के लिए उपयोगी बनाएं। एबिक के नियंत्रक अधिकारी व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अग्रणी रहा है, अब यह युवाओं को सफल उद्यमी बनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक गर्व की उपलब्धि है।

हिसार। स्टार्टअप्स के साथ कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बीआर कम्बोज व अन्य।

केंद्र को 217 आवेदन प्राप्त

एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना के अंतर्गत कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष केंद्र को 217 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 66 युवा एग्रीप्रेन्योर्स का चयन किया गया है। ये उद्यमी विभिन्न क्षेत्रों जैसे फूड प्रोसेसिंग, वैल्यू एडिशन, वेस्ट टू वेल्थ, प्रिसीजन फार्मिंग, आईसीटी और आईओटी, ऑर्गेनिक फार्मिंग, कृषि यंत्र निर्माण एवं इनपुट नवाचार में कार्यरत हैं। इस एक माह के इन्क्यूबेशन प्रशिक्षण से सभी एग्रीप्रेन्योर्स को तकनीकी, वित्तीय एवं व्यावसायिक दृष्टि से सशक्त बनाया है। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं पूर्व निदेशक एबिक डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	10-11-25	4	6-8

कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं : काम्बोज

हिसार, 9 नवंबर (हप्र)

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के कर-कमलों से कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है। यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर

■ एबिक के अंतर्गत कोहर्ट-7 में चयनित 66 स्टार्टअप्स के साथ हुआ संवाद कार्यक्रम

नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे।

उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

प्रो. काम्बोज ने उपस्थित युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने विचारों को समाज और किसानों की भलाई के लिए उपयोगी बनाएं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं में रोजगार सृजन, नवाचार और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिससे स्वदेशी बाजार को बढ़ावा मिल रहा है। एबिक के नियंत्रक अधिकारी व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अग्रणी रहा है, अब यह युवाओं को सफल उद्यमी बनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	10-11-	3	3-4

कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युगः प्रो. काम्बोज

स्टार्टअप्स के साथ कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य

एबिक के अंतर्गत कोहर्ट-7 में चयनित 66 स्टार्टअप्स के साथ हुआ संवाद कार्यक्रम

हिसार, 9 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिज़नेस इन्क्यूबेशन सैंटर (एबिक) में कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के कर-कमलों से कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है। यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं।

प्रो. काम्बोज ने उपस्थित युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने विचारों को समाज और किसानों की भलाई के लिए उपयोगी बनाएं। एबिक के नियंत्रक अधिकारी व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अग्रणी रहा है, अब यह युवाओं को सफल उद्यमी बनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक गर्व की उपलब्धि है। इस अवसर पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं पूर्व निदेशक एबिक डॉ. अतुल ढींगड़ा तथा मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	10-11-25	3	3

कृषि अब नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग : प्रो. काम्बोज

हिसार | हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज के कर-कमलों से कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम किया गया। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है। यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे तो वह दिन दूर नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम ग्रामीण युवाओं में रोजगार सृजन, नवाचार और आत्मनिर्भर कृषि की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं जिससे स्वदेशी बाजार को बढ़ावा मिल रहा है। एबिक के नियंत्रक अधिकारी व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने कहा कि अब तक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अग्रणी रहा है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	10-11-25	5	1-3

कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग : प्रो. बी.आर. काम्बोज

एबिक के अंतर्गत कोहर्ट-7 में चयनित 66 स्टार्टअप्स के साथ हुआ संवाद कार्यक्रम

स्टार्टअप्स के साथ कार्यक्रम में उपस्थित कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज व अन्य।

हिसार, 9 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर (एबिक) में कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज के कर-कमलों से कोहर्ट-7 के अंतर्गत चयनित 66 नवाचारी स्टार्टअप्स के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुलपति प्रो. बी. आर. काम्बोज ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि अब केवल खेती तक सीमित नहीं रही, बल्कि यह नवाचार, मूल्य संवर्धन और उद्यमिता का नया युग है। यदि इसी प्रकार हमारे विद्यार्थी नवाचार के पथ पर आगे बढ़ते रहे, तो वह दिन दूर नहीं जब वे रोजगार लेने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले बनेंगे। उन्होंने एबिक के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय ने पिछले छह कोहर्ट में 73 स्टार्टअप्स को अनुदान राशि मुहैया करवाई है जो आज आत्मनिर्भर उद्यम के रूप में सफलतापूर्वक कार्य कर रहे हैं। प्रो. काम्बोज ने उपस्थित युवा उद्यमियों से आह्वान किया कि वे विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों और मेंटर्स से मार्गदर्शन प्राप्त कर अपने विचारों को समाज और किसानों की भलाई के लिए उपयोगी बनाएं। एबिक के नियंत्रक अधिकारी व अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि अब तक विश्वविद्यालय केवल शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार गतिविधियों में अग्रणी रहा है, अब यह युवाओं को सफल उद्यमी बनाकर देश की आर्थिक प्रगति में योगदान दे रहा है। यह विश्वविद्यालय के लिए एक गर्व की उपलब्धि है। एबिक के निदेशक डॉ. राजेश गेरा ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय में स्थापित एग्री बिजनेस इन्क्यूबेशन सेंटर, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार की आरकेवीवाई रफ्तार योजना के अंतर्गत कार्य कर रहा है।